एक हाथमें खप्पर, दूजेमें भुजाली झूमकर निकलीं मां काली

दारागंजमें पांच दिवसीय मां कालीके रौद्र रूपके प्रदर्शनका आगाज
मांका क्रोध शांत करनेके लिए जगह-जगह दी गयी नींबू-जायफर की बलि

पूरे देश में सुविख्यात श्री दारागंज रामलीला कमेटी की ओर से पांच दिवसीय मां काली के रौद्र रूप के प्रदर्शन का आगाज सोमवार को हो गया। रात करीब साढ़े नौ बजे फुलवरियारोड(कच्ची सड़क) स्थित श्रीराम मंदिर से मां काली का नृत्य प्रदर्शन शुरू हुआ। एक हाथ में खप्पर और दूजे हाथ में भुजाली लेकर दारागंज की सड़कों पर निकली मां काली के रौद्ररूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग गयी। श्रद्धालु जय-जय-जय का उद्घोष करते हुए मां काली के साथ पूरे रास्ते चले।

कहा जाता है कि पांच दिवसीय मां काली के रौद्ररूप का प्रदर्शने पूरे क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल को जीवंत कर देता है। जिसकी शुरुआत हो गयी है। मां काली के भव्य वेश में सजकर जब पात्र सड़क पर पहुंचे तो मां काली के जयकारों से पूरा दारागंज क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। सिर पर ११ किलो का मां काली का चेहरा, एक हाथ में खप्पर और दूसरे हाथ में भुजाली के साथ मां का रौद्ररूप देख बच्चे सहम गये। ढोल-ताशों की थाप पर मां काली नृत्य करते हुए श्रीराम मंदिर से पूजन अर्चन के बाद निकली जो कच्ची सड़क, राधा कालोनी, बक्शी बांध, बक्शी त्रिमुहानी होते हुए नागवासुकि मंदिर तक गयी।

इस दौरान सड़क मां काली के आगे लोहबान की खुशबू से उनका रौद्र और बढ़ता गया। जिसे शांत करने के लिए जगह-जगह नींबू, जायफर एवं रक्त की बलि दी गयी। जगह-जगह मां का स्वागत श्रद्धालुओं ने किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पूर्व कमेटी की ओर से अलोपीबाग लीला मैदान में भरत मिलन की लीला का मंचन किया गया। लीला संयोजक पंडित सियाराम शास्त्री के निर्देशन में भरत अयोध्या वासियों के साथ प्रभु श्री राम को वापस चलने के लिए मनाने के लिए अनुनय विनय करते हैं। लेकिन प्रभु श्री राम उनको पिता का वचन याद दिला कर वापस भेज देते हैं। भारी मन से भरत अयोध्या वासियों को लेकर वापस चले जाते हैं। वहां से लीला समाप्त कर भगवान की सवारी डा. प्रभात शास्त्री मार्ग(फुलवरिया रोड) स्थित श्री राम मंदिर, राजेश निषाद के आवास पर पहुंची। जहां से फिर मां काली का प्रदर्शन शुरू हुआ। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव, महामंत्री जितेंद्र गौड़, मीडिया प्रभारी तीर्थराज पांडेय बच्चा भैया, अरविंद पाण्डेय, विजय सोनकर, हीरालाल यादव, विक्कू निषाद, राहुल यादव, पच्चू यादव ,संजय पाठक, सुभाष वैश्य, राबिन पालीवाल, ओम प्रकाश चौधरी, रिंकू शुक्ला, शिबू सोनी सुरेंद्र गौड़ आदि मौजूद रहे।


दारागंजमें मां कालीके रौद्र रूपका प्रदर्शन।

शिक्षा सेवा चयन आयोगपर गरजे अभ्यर्थी, किया घेराव

मुख्यमंत्रीके आश्वासनपर भी काररवाई न होनेसे बढ़ा आक्रोश

टीजीटी-पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली एवं पुराने परीक्षा पैटर्न को लागू करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने सोमवार को उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी काररवाई अभी तक नहीं हुई बल्कि भर्ती प्रक्रिया पूर्ववत जारी है।

आयोग के घेराव एवं प्रदर्शन के बाद देर शाम अभ्यर्थियों ने मोमबत्ती मार्च निकालकर शासन एवं प्रशासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया।

हुंकार मंच का स्पष्ट मत है कि भर्ती नियमों एवं परीक्षा पैटर्न में बदलाव करते समय अभ्यर्थियों के भविष्य, पूर्व से चली आ रही व्यवस्था और उन्हें उपलब्ध अवसरों का गंभीरता से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। जिन अभ्यर्थियों ने वर्षों तक तैयारी की है और जिनके लिए यह भर्ती एक महत्वपूर्ण अंतिम अवसर है, उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है। हुंकार मंच ने घोषणा की कि जब तक अभ्यर्थियों की मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसी क्रम में १३ अक्तूबर को जिला प्रशासन के साथ संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा तथा जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को पुनः ज्ञापन सौंपा जाएगा। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन से मांग करता है कि अभ्यर्थिच्यों को दिए गए आश्वासन के अनुरूप मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया जाए। पुरानी नियमावली एवं पुराने परीक्षा पैटर्न की मांग पर स्पष्ट निर्णय लेते हुए अभ्यर्थिच्यों के हितों की रक्षा की जाए तथा उन्हें समय रहते न्यायसंगत अवसर प्रदान किया जाए। अभ्यर्थियों अभ्यर्थियों को अब भी उम्मीद है कि उनकी आवाज मुख्यमंत्री एवं जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचेगी और उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निणय्य लिया जाएगा। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच इस आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देता है।

ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं, बल्कि अभ्यर्थियों के भविष्य, न्याय और समान अवसर की मांग को लेकर संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक दायरे में चलाया जा रहा है।

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना नागरिकों का अधिकार है। ऐसे में सरकार से अपेक्षा है कि वह अभ्यर्थियों की आवाज को गंभीरता से सुने और संवाद के माध्यम से समाधान निकाले।

अधिवक्तापर जानलेवा हमला चेन एवं मोबाइल छिनैती

पुलिस लाइनके पासकी घटना, धारदार हथियारसे कटा अंगूठा, साथीसे भी मारपीट

कर्नलगंज थाना क्षेत्र में रिजर्व पुलिस लाइन के पास अधिवक्ता शाश्वत मिश्रा पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि १० से १५ लोगों ने उनकी बाइक रोककर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बचाव के दौरान अधिवक्ता के हाथ का अंगूठा कट गया। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें रॉड और लाठी-डंडों से पीटा। सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गए। हमलावर उनके गले से सोने की चेन और रुद्राक्ष की माला के साथ मोबाइल फोन भी लूट ले गए।

जार्जटाउन थाना क्षेत्र के मालवीय रोड निवासी अधिवक्ता शाश्वत मिश्रा ने कर्नलगंज थाने में दी गई तहरीर में बताया कि नौ अक्टूबर की शाम करीब वह हाईकोर्ट के चैंबर से घर लौट रहे थे। रिजर्व पुलिस लाइन के पास पहुंचते ही विशाल भार्गव, सौरभ दर्शन, आदित्य सिंह और १०-१५ अज्ञात लोगों ने बाइक सामने लगाकर उन्हें रोक लिया। आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार से हमला कर दिया। बचाव करने के दौरान उनका अंगूठा कट गया। अधिवक्ता के साथ बाइक से जा रहे सिद्धांत पांडेय भी हमले के दौरान गिर पड़े। आरोप है कि हमलावरों ने दोनों को राड और लाठी-डंडों से पीटा। सिद्धांत ने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी बेरहमी से मारा गया। हमलावर सिद्धांत को जबरन अपनी बाइक पर बैठाकर ले जाने लगे। उनके शोर मचाने पर राहगीर जुटने लगे तो आरोपित अधिवक्ता के गले से सोने की चेन और रुद्राक्ष की माला छीनकर भाग निकले। आरोप है कि सौरभ दर्शन अधिवक्ता का मोबाइल फोन भी लेकर फरार हो गया। जाते समय हमलावरों ने जान से मारने की धमकी भी दी। कर्नलगंज पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शंकरगढ़ आरओबी पर सफलतापूर्वक रखा गया ५४ मीटर लम्बा गर्डर

नारी बारी एवं शिवराजपुर क्षेत्रके बीच बेहतर होगी कनेक्टिविटी, बाजार क्षेत्रमें जामसे मिलेगी राहत



प्रयागराज मंडल के नैनी-मानिकपुर सेक्शन में शंकरगढ़ यार्ड के निकट लेवल क्रॉसिंग संख्या ४१५ ए के स्थान पर बनाए जा रहे रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस आरओबी के निर्माण के लिए ५४.० मीटर लंबे बो स्ट्रिंग गर्डर की असेंबलिंग एवं लॉन्चिंग का कार्य ११ अक्टूबर २०२६ को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह आरओबी शंकरगढ़ क्षेत्र के नारी बारी और शिवराजपुर क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा, जिससे स्थानीय आवागमन एवं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में रेल यातायात को अधिक सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध बनाने की दिशा में एक मत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है।

यह आरओबी राज्य सरकार के साथ कॉस्ट शेयरिंग आधार पर निर्मित किया जा रहा है। रेलवे हिस्से का निर्माण उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट्स के अधीन गति शक्ति प्रयागराज यूनिट द्वारा किया जा रहा है, जबकि एप्रोच रोड के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

इस परियोजना को वर्ष २०२२-२३ में ६२.६७ करोड़ रुपये की कुल लागत से स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसमें रेलवे की हिस्सेदारी २३.६० करोड़ है। आरओबी का निर्माण पूरा होने के बाद नारीबारी और शिवराजपुर के बीच आवागमन अधिक सुगम होगा।

वर्तमान में इन दोनों क्षेत्रों के बीच यातायात का आवागमन लेवल क्रॉसिंग संख्या ४१५ बी के माध्यम से होता है, जो बाजार क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां अक्सर भारी जाम की स्थिति बनती है। इसके कारण कई बार रेल यातायात को भी प्रभावित होकर विलंब का सामना करना पड़ता है। आरओबी को दिसंबर २०२६ के अंत तक कमीशन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

हाईकोर्ट बार ने राज्यसभा सदस्य का किया स्वागत

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद की एल्डर्स कमेटी ने सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं नवनिर्वाचित राज्य सभा सदस्य राधा कान्त ओझा माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर वी. के. सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता, चेयरमैन, वी.पी. श्रीवास्तव, सी.एल. पाण्डेय, ओ.पी. सिंह,वी. के. उपाध्याय, मुख्य चुनाव अधिकारी एस.एफ. ए. नकवी, वशिष्ठ तिवारी, राज कुमार शुक्ला, लक्ष्मी कान्त मिश्र, अनुभव शुक्ला,हाईकोर्ट बार के नव-निर्वाचित अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सी.पी. उपाध्याय एवं महासचिव सन्तोष कुमार मिश्र सहित अन्य अधिवक्ता मौजद रहे।

१५ तक नामावलीकी विसंगतियां दूर करनेका निर्देश

माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश(यूपी बोर्ड) ने शैक्षिक सत्र २०२६-२७ के लिए कक्षा ९ और ११ के अग्रिम पंजीकरण तथा कक्षा १० और १२ के परीक्षा आवेदन पत्रों से जुड़ी नामावली में आ रही विसंगतियों को दूर करने के निर्देश जारी किए हैं। परिषद ने सभी संबंधित विद्यालयों को निर्देशित किया है कि वे अपने स्तर पर समस्याओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध नामावली में कई विद्यालयों की सूचनाएं जनरेट या डाउनलोड नहीं हो पा रही हैं। इसके पीछे विभिन्न प्रकार की तकनीकी और अभिलेखीय विसंगतियां सामने आई हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए परिषद ने संबंधित विद्यालयों को आवश्यक विकल्प उपलब्ध कराए हैं। निर्देश के मुताबिक, विद्यालयों को अपनी नामावली से संबंधित विसंगतियों को दूर करने के बाद फोटोयुक्त नामावली डाउनलोड करनी होगी।

१५ तक स्थगित रहेगी मतगणना

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के वार्षिक चुनाव २०२६-२७ के कार्यकारिणी सदस्य पुरूष पद) की मतगणना विशिष्ट कारणों से १४ अक्तूबर तक स्थगित रहेगी।१५ अक्तूबर को सुबह १० बजे से सायंकाल पांच बजे तक लाइब्रेरी हाल में मतगणना की जायेगी।यह जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकवी ने दी।

बेटे-बेटीने बुजुर्गको पीटकर घरसे निकाला

करेली थाना क्षेत्र के आजाद नगर में ८१ वर्षीय बुजुर्ग ने अपने बेटे और बेटी पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया है। आरोप है कि मारपीट में बुजुर्ग के बाएं हाथ की हड्डी टूट गई। उनका कपड़ा, मोबाइल फोन, रुपये और अन्य सामान घर के कमरे में बंद है। करेली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। आजाद नगर निवासी शफीक अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि २८ सितंबर को उनके बेटे मसूद अहमद और बेटी नाजनीन बानो ने उनके साथ मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। इससे उनके बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया। उन्होंने उसी रात पुलिस की आपातकालीन सेवा ११२ पर फोन कर सूचना दी। आरोप है कि पुलिस के पहुंचने पर भी घर का दरवाजा नहीं खोला गया। शफीक अहमद का कहना है कि उन्होंने जीवनभर की कमाई और अपने दो पुराने मकान बेचकर मिले रुपये से मकान बनवाया था। बाद में इसे अपने दोनों बेटों मसूद अहमद और मोहम्मद तल्हा के नाम कर दिया था। मोहम्मद तल्हा की मृत्यु के बाद से उनका बेटा मसूद अहमद और विवाहित बेटी नाजनीन बानो उन्हें प्रताड़ित करने लगे।

आरोप है कि उन्हें खाना तक नहीं दिया जाता था। बुजुर्ग के मुताबिक, घर के कमरे में उनका सामान बंद है और उन्हें अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। उन्होंने ११ अक्तूबर को करेली थाने में तहरीर दी।

बजरंग दलपर टिप्पणीका विरोध करनेपर छात्रको पीटा

पुलिस चौकीके बाहर भी हमलेकी कोशिश, दूसरे पक्षने भी दर्ज करायी एफआईआर

इंस्टाग्राम पर बजरंग दल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और गाली-गलौज का विरोध करना एक छात्र को भारी पड़ गया। आरोप है कि प्रीतमनगर बाजार में छात्र को घेरकर पीटा गया। जान बचाकर भागने पर आरोपितों ने पथराव भी किया। पीड़ित ने मानस यादव, आदित्य यादव, राज राजपूत, ऋषभ सिंह और शुभम इलाहाबादी समेत करीब १५ अज्ञात लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए धूमनगंज थाना में एफआईआर दर्ज करायी है। वहीं दूसरे पक्ष से विनोद यादव ने शौर्य, अखिल व १० से १२ अज्ञात पर मानस से मारपीट की एफआईआर दर्ज करायी है।

छात्र अखिल सिंह का आरोप है कि इंस्टाग्राम पर बजरंग दल संघटन के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की जा रही थी। इसका विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज की गई। इसके बाद प्रीतमनगर बाजार में तालाब के पास मानस यादव अपने साथियों के साथ पहुंचा।

आरोप है कि सभी ने छात्र को घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से पीटने लगे। किसी तरह खुद को बचाकर भागने पर भी आरोपितों ने पीछा नहीं छोड़ा और पथराव शुरू कर दिया। आरोप है कि नींवा पुलिस चौकी के बाहर भी उसे कॉलर पकड़कर पीटने की कोशिश की गई। उसने खुद को बजरंग दल का कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि इसी वजह से कुछ लोग उससे रंजिश रखते हैं और पहले भी कई बार गाली-गलौज कर चुके हैं।

वहीं विनोद यादव ने पुलिस की दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनका बेटा मानस अपने दोस्त आदित्य के साथ नानी के यहां गया था। आरोप है कि शौर्य, अखिल अपने दस से १२ साथियों के साथ मारपीट की। जानलेवा हमले का भी आरोप है। धूमनगंज पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

८१.३३ फीसदी अभ्यर्थियोंने दी डीएलएड की परीक्षा

डीएलएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में निर्धारित २१३ परीक्षा केन्द्रों पर विषय वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा (प्रथम पाली) सुबह दस बजे से दोपहर १२ बजे तक एवं विषय-प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास (द्वितीय पाली) अपराह्न डेढ़ बजे से साढ़े तीन बजे तक उक्त परीक्षा केंद्रों पर डीएलएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई। उक्त परीक्षा के लिए ७४५०० परीक्षार्थी शामिल हुये, जिसमें प्रथम पाली लगभग ७९.७९ प्रतिशत उपस्थित एवं द्वितीय पाली लगभग ८१.३३ प्रतिशत मौजूद रहे।

वकीलोंको पांच लाख तक मेडिकल सुविधा देनेका बार कौंसिलने किया स्वागत

मुख्यमंत्रीकी घोषणासे अधिवक्ताओंको मिलेगी राहत

बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के अधिवक्ताओं को पांच लाख रुपये तक की मेडिकल सुविधा प्रदान करने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया। बार कौंसिल ने इसे अधिवक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के प्रति आभार जताया है। बार कौंसिल ने कहा कि चिकित्सा सुविधा के अभाव में गंभीर और असाध्य रोगों से पीड़ित अनेक अधिवक्ताओं को इलाज कराने में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कौंसिल अपने सीमित संसाधनों से प्रतिवर्ष करीब १० करोड़ रुपये चिकित्सीय सहायता के लिए अनुदान देती थी, जो प्रदेश के लगभग पांच लाख अधिवक्ताओं की जरूरतों के लिहाज से अपर्याप्त था। सरकार की इस घोषणा से अधिवक्ता समुदाय में खुशी है। बार कौंसिल के सचिव आर.के. शुक्ल ने बताया कि बार कौंसिल की १० अक्टूबर को हुई सामान्य बैठक में अध्यक्ष शिवकिशोर गौड़ सहित सदस्यों ने सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कौंसिल ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मेडिकल सुविधा लागू करने के लिए योजना का प्रारूप तैयार कर शीघ्र शासन से संपर्क किया जाएगा। सदन ने उम्मीद जताई कि यह योजना जल्द लागू होकर प्रदेश के अधिवक्ताओं को राहत प्रदान करेगी।

मार्च निकालनेसे पहले हिरासतमें लिये गये छात्रनेता

सीईसी के इस्तीफेकी मांगको लेकर निकाल रहे थे पैदल मार्च, आंदोलन जारी रखनेका ऐलान



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को प्रस्तावित पैदल मार्च से पहले पुलिस ने छात्रनेताओं और छात्रों की धरपकड़ शुरू कर दी। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने छात्रावासों और छात्रों के कमरों में दबिश देकर कई छात्रनेताओं को हिरासत में ले लिया। बैंक रोड पर मार्च के लिए जुटे छात्रों को भी पकड़कर पुलिस लाइन भेज दिया गया। पुलिस की कार्रवाई के चलते छात्र अपना प्रस्तावित मार्च नहीं निकाल सके। वहीं, छात्रनेताओं ने आंदोलन जारी रखने का एलान किया है। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात रही।

छात्रनेताओं ने सोमवार को बैंक रोड से आजाद प्रतिमा तक पैदल मार्च निकालने की घोषणा की थी। इसके जरिए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई जानी थी। मार्च शुरू होने से पहले ही पुलिस सक्रिय हो गई। सुबह पुलिस और एसओजी की टीमें अलग-अलग छात्रावासों और छात्रों के कमरों में पहुंचीं और छात्रनेताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ छात्रनेता नारेबाजी करते हुए बालसन चौराहे की ओर बढ़े। पुलिस ने छात्रनेता राहुल पटेल, अनुराग यादव और प्रियांशु को हिरासत में ले लिया। छात्रनेता अनुराग यादव ने आरोप लगाया कि कई अन्य छात्रनेताओं को भी हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। वहीं, बैंक रोड पर एकत्र हुए छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। छात्रनेताओं के मुताबिक, अखिलेश गुप्ता गुड्डू, राघवेंद्र यादव, आशुतोष यादव गुड्डू, विजयकांत यादव, गौरत गोंड, हिमांशु पटेल, गौरव, रोशन, मनदीप और दीपांशु समेत कई अन्य छात्रों को भी हिरासत में लिया गया। काररवाई से पीछे नहीं हटेंगे। छात्रनेता हरेंद्र यादव, नवनीत यादव और अनुराग यादव ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर उनका आंदोलन जारी रहेगा। पुलिस की कार्रवाई से छात्र अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे।

ताड़का वधसे ऋषियोंमें प्रसन्नता, देवताओंने की पुष्पवर्षा

बाघंबरी क्षेत्र श्री रामलीला कमेटी अल्लापुर के तुलसी मंच पर सोमवार की रामलीला भगवान श्री गणेश के पूजन के साथ शुरू हुई। श्री राम जन्मोत्सव की लीला का मंचन किया गया। इसके उपरांत गुरु विश्वामित्र का राज दरबार में आगमन होता है और वो राम-लक्ष्मण को अपने साथ आश्रम ले जाने की अनुमति चाहते हैं। पहले राजा दशरथ संकोच में पड़ते हैं किंतु गुरु वशिष्ठ की सलाह पर राम-लक्ष्मण को साथ ले जाने की सहमति देते हैं। मार्ग में हड्डियों का पहाड़ देख दोनों भाई गुरु से इसके बारे में पूछते हैं तो वह बताते हैं कि यह हड्डियां ऋषि मुनियों की हैं, जो ताड़का नामक राक्षसी के शिकार बन चुके हैं और उसी समय वहां विशाल राक्षसी ताड़का आ जाती है और मायावी शक्ति से विचलित करती है। तब विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम ने ताड़का के मस्तक पर बाण मारकर उसका अंत कर देते हैं। ताड़का वध होते ही ऋषियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और देवता आकाश से पुष्प वर्षा करते हैं। मार्ग में एक शिला देख श्रीराम-लक्ष्मण उसके बारे में जानने की अभिलाषा प्रकट की तो विश्वामित्र ने बताया यह ऋषि गौतम की पत्नी अहिल्या है। ऋषि शाप वश पाषाण बन गई हैं और गुरु की आज्ञा से श्रीराम पाषाण को स्पर्श करते हैं और पुनः अहिल्या नारी हो जाती हैं। 'शाप विवश वह गौतम नारी, शिला अहिल्या थी बेचारी, राम चरण पंकज रज राई , मिला शाप भई नारि सुहाई'। इस मौके पर पवन अग्रवाल, आचार्य शिवम पांडेय, कमलेश दुबे, निर्देशिका प्रिया मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्र बच्चा भैया, दिनेश पाण्डेय, मास्टर केपी सिंह, सतीश गुप्ता, आदित्य प्रकाश बाजपेयी, अवध नारायण मिश्रा, चंदन भट्ट, राजेंद्र तिवारी दुकान जी, राबिंस सहित बड़ी संख्या में जन मानस मौजूद रहे। विश्वामित्र का अभिनय विक्रांत एवं राजा दशरथ का अभिनय धनंजय तिवारी ने किया। निर्देशन प्रख्यात निर्देशिका प्रिया मिश्रा ने किया।

ताड़का वध एवं श्री राम-सीता विवाहके जीवंत मंचनने मन मोहा

कटराकी रामलीलामें अहिल्या उद्धार, परशुराम-लक्ष्मण संवादका साहसिक मंचन

ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध श्री कटरा रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित वार्षिक रामलीला महोत्सव में मंचन के दौरान प्रभु श्री राम के जीवन के कई प्रमुख और प्रेरक प्रसंगों का अत्यंत भव्य, जीवंत और भावपूर्ण मंचन किया गया। कथा की शुरुआत महर्षि विश्वामित्र द्वारा राजा दशरथ से असुरों के आतंक से यज्ञ की रक्षा हेतु श्री राम और लक्ष्मण को मांगने के प्रसंग से हुई। वन में राक्षसी ताड़का के उत्पात को समाप्त करने के लिए महर्षि की आज्ञा से प्रभु श्री राम ने एक ही बाण से ताड़का का वध किया। इसके साथ ही धर्म और सत्य की विजय का शंखनाद हुआ।

जिसके बाद अहिल्या उद्धार का मंचन किया गया। जिसे देख दर्शक 'जय श्री राम' का उद्घोष करने लगे। जनकपुर आगमन के पश्चात, गुरु की सेवा के लिए पुष्प लेने गए श्री राम और माता सीता का प्रथम दर्शन पुष्प वाटिका में हुआ। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस सौम्य और मर्यादापूर्ण प्रसंग ने सभी का मन मोह लिया। तत्पश्चात महाराज जनक के दरबार में धनुष भंग की लीला का मंचन किया गया। उसी दौरान शिव धनुष टूटने की प्रचंड ध्वनि सुनकर क्रोधित होकर पहुंचे महर्षि परशुराम और वीर लक्ष्मण के बीच तीखा एवं नीतिपरक संवाद हुआ। लक्ष्मण के तर्कों और प्रभु श्री राम की विनम्रता एवं शांत स्वभाव को देखकर अंततः महर्षि परशुराम ने श्री राम के विष्णु अवतार को पहचाना और अपना वैष्णव धनुष सौंपकर तपस्या के लिए चले गए। जिसके बाद राजा दशरथ गाजे-बाजे और बारात के साथ जनकपुर पहुंचे और फिर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और जगतजननी माता सीता का शुभ विवाह का मंचन हुआ।

मंचन से पूर्व मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गौतम चौधरी, न्यायमूर्ति विपिन दीक्षित, मुख्य स्थाई अधिवक्ता एमद सीद चतुर्वेदी, निदेशक उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र सुदेश शर्मा एवं श्री कटरा राम लीला के पदाधिकारी अध्यक्ष सुधीर गुप्ता, महामंत्री उमेश चन्द्र केसरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केसरवानी, आनन्द अग्रवाल, मयंक अग्रवाल मंत्री शिव बाबू गुप्ता, महेश चन्द्र गुप्ता, विपुल मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप चौरसिया, मीडिया प्रभारी डॉ. पवन प्रजापति ने रामायण की आरती की।

जनकपुरमें राम-सीताके मिले नयन, विमुग्धकारी दृश्यने किया मोहित

श्रीपथरचट्टी रामलीलाकी ओरसे सीता स्वयंबर, परशुराम-लक्ष्मण संवादने भरा रोमांच

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से 'कथा रामराज की' के तहत रामलीला के मंचन के दूसरे दिन विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण जनकपुर पहुंचकर विश्राम गृह में रात बिताने के बाद सुबह नगर भ्रमण पर निकलते हैं। नगरवासी दोनों कुमारों को देख मुग्ध हो जाते हैं। जिसके बाद गुरु की पूजा के लिए राम पुष्पवाटिका में फूल के लिए जाते हैं और उसी समय जनकनंदनी सीता भी गौरी पूजन के लिए पुष्प चुनने पहुंचती हैं। राम-सीता के नयन मिल जाते हैं। यह विमुग्धकारी दृश्य देख श्रद्धालु आनंदित हो उठते हैं। जिसके बाद सीता स्वयंबर का दृश्य दर्शाया गया। राजा जनक धनुष उठाने और उठा लेने वाले के साथ सीता का विवाह की प्रतिज्ञा घोषणा करते हैं।

दरबार में मौजूद

सारे राजा बल लगाने के बाद भी तिल भर भूमि नहीं छुड़ा पाते। आगे विश्वामित्र का राम को धनुष उठाने का आदेश देते हैं। धनुष के पास पहुंच कर मन ही मन गुरु को प्रणाम कर राम ने क्षण भर में धनुष उठा कर उसकी प्रत्येचा चढ़ानी चाही और तभी वह टूटकर दो हिस्सों में पृथ्वी पर गिर पड़ा। सारा राज परिवार आनंदित हो उठता है। सखियां सीता को साथ लेकर आती है और सीता राम के गले में वरमाला डाल देती है। इसी दौरान आकाश से पुष्पवर्षा होने लगती है और तभी तभी शिव के धनुष के टूटने का समाचार सुन परशुराम ऋषि महान क्रोध के साथ सभा में उपस्थित होते हैं। धनुष तोड़ने वाले के नाम और उसके बारे में जानकारियां देने के लिए कहती है। परशुराम का क्रोध देख जनक भयभीत हो उठते हैं। तभी लक्ष्मण-परशुराम का संवाद, राम का मधुर वचनों से उनको शांत करने के दृश्य पर तालियां बज उठती हैं। जिसके बाद महाराज दशरथ के भव्य राज दरबार में राजा जनक का अयोध्या से बारात जनकपुर ले आने का निवेदन दूत बताता है, सूचना माता कौशल्या को भी दी जाती है फिर सीताराम चरित अति पावन... के साथ मंचन सोमवार का मंचन पूर्ण हो जाता है।



सिविल लाइंसकी रामलीलामें मेघनाथने इंद्रको बनाया बंदी

श्री श्री बाल रामलीला समिति सिविल लाइंस की ओर से सोमवार की रामलीला के मंचन में रावण के पुत्र मेघनाद जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है ने अपने पराक्रम से देवराज इंद्र और अन्य देवी-देवताओं को युद्ध में हराकर बंदी बनाने का मंचन किया गया। लीला में रावण और उसके पुत्रों के बढ़ते अत्याचारों, तीनों लोकों में हाहाकार मचा देता है और धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा पहुँचाने लगते है जिसका सजीव मंचन किया गया। इस घटना के बाद देवता संकट से मुक्ति पाने के लिए एकत्रित हो कर भगवान शिव या भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं। प्रभु त्राहिमाम त्राहिमाम के उद्घोष के साथ अपनी समस्या बनाते है। जिससे आगे चलकर प्रभु श्रीराम के अवतार की भूमिका बनती है। रामलीला के मंचन से पूर्व भगवान विष्णु की आरती की गयी। इस मौके पर चेयरमैन सुभाष के यादव, अध्यक्ष अमित सिंह बबलू, महामंत्री अजीत जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल कन्नौजिया, उपाध्यक्ष पवन जी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष नीरज खेड़ा, उपाध्यक्ष हेमंत बनर्जी, कोषाध्यक्ष रज्जन लाल, महोत्सव प्रबंधक राम बहादुर सिंह, सहायक महोत्सव प्रबंधक अनिल जायसवाल, मंचन प्रबंधक अनिल यादव संगठन मंत्री-रंजीत दास सांस्कृतिक-मंत्री रणवीर सिंह, मनीष जटवाणी, आदि शामिल रहे।

श्रीराम-सीताके फुलवारी मंचनने श्रद्धालुओंका मन मोहा

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावाकी ओरसे आज निकाली जायेगी राम बारात

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा राम लीला कमेटी की ओर से सोमवार को ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से मंचित रामलीला में फुलवारी लीला से धनुष यज्ञ एवं सीता विवाह तक की मनमोहक रामलीला सभी के समक्ष प्रस्तुत दी गयी। जिसमें प्रभु श्री राम और माता सीता की फुलवारी लीला का दृश्य बड़ा ही मनमोहक रहा। मानव के रूप में जैसे प्रभु श्री राम और सीता माता साक्षात रुप में धरती पर उतर आए हैं। धनुष यज्ञ में ली